भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5205 का उत्तर

नासिक जिले में रेलवे स्टेशनों के लिए एबीएसएस

5205. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नासिक रोड, देवलाली, इगतपुरी, लासलगांव और मनमाड रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत पूरे किए गए कार्यों का स्टेशन-वार और परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) उपर्युक्त स्टेशनों पर इस योजना के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति क्या है तथा इसके लिए कितना धन आवंटन किया गया है तथा प्रगति का प्रतिशत कितना है;
(ग) उपर्युक्त स्टेशनों के लिए योजना के अंतर्गत नियोजित, अनुमोदित या प्रस्तावित कार्य और उनकी अनुमानित लागत व उद्देश्य क्या हैं;
(घ) बुनियादी ढांचे का निर्बाध उन्नयन सुनिश्चित करने के लिए निवर्तमान और नियोजित दोनों परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा क्या है;
(ङ) क्या सरकार विशेषकर कुंभ मेला 2027 के दौरान यात्री यातायात में अनुमानित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, नासिक रोड स्टेशन पर अतिरिक्त प्लेटफॉर्मों, पिट लाइनों, अनुरक्षण सुविधाओं के लिए नागरिकों की मांगों पर विचार कर रही है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): **महाराष्ट्र राज्य में स्थित नासिक रोड, देवलाली, इगतपुरी, लासलगांव और मनमाड रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किया गया**

है। देवलाली, इगतपुरी, लासलगांव और मनमाड स्टेशनों पर विकास कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं।

देवलाली स्टेशन पर, प्रवेश द्वार, प्रवेश द्वारप्रांगण, चाहरदीवारी, नया प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, शौचालय, लिफ्टों का प्रावधान, मानक संकेतक, बेहतर प्रकाश व्यवस्था आदि के निर्माण कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

इगतपुरी स्टेशन पर नए प्रवेश द्वार, ऊपरी पैदल पुल की सीढ़ियों के लिए कवर शेड, नए शौचालय ब्लॉक और अपशिष्ट उपचार संयंत्र का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है और नए बुकिंग कार्यालय, सेवा भवन, स्टेशन भवन के सुधार आदि के निर्माण का कार्य शुरू किया गया है।

लासलगांव स्टेशन पर स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर के प्रावधान का सुधार कार्य, प्रवेश द्वार, चारदीवारी, शौचालय और नए बुकिंग कार्यालय का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।

मनमाड स्टेशन पर नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार का कार्य पूरा किया गया है तथा प्रवेश द्वार, स्टेशन भवन, शौचालय, बुकिंग कार्यालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, संकेतकों, स्टेशन प्रकाश व्यवस्था, नए ऊपरी पैदल पुल का निर्माण, लिफ्ट और एस्कलेटर का प्रावधान आदि के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नासिक रोड स्टेशन के विकास के लिए मास्टर योजना बनाई जा रही है। यह एक पुनरावर्ती प्रक्रिया है जिसमें इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है और इस स्तर पर ऐसे इष्टतमीकरण के लिए समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं, जो पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन है। स्टेशनों के विकास/उन्नयन कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादित करते समय निचले श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशनों तक पहुंच में सुधार लाना, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकता अनुसार लिफ्टों/स्वचालित सीढ़ियों, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणालियों, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यापारिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लैंडस्केपिंग आदि के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और इन्हें विभिन्न चरणों में कार्यान्वित करना शामिल है।

इस योजना में स्टेशन इमारत में सुधार, शहर के दोनों छोर के साथ स्टेशन को एकीकृत करने, मल्टीमॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों का प्रावधान आवश्यकता के अनुसार 'रूफ प्लाज़ा' और लंबी अवधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर की चरणबद्ध योजना व व्यवहार्यता और निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 132 स्टेशन महाराष्ट्र राज्य में स्थित हैं। महाराष्ट्र राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, औरंगाबाद, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चंदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (डीडीआर), दादर (डीआर), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हज़ूर साहिब नांदेड़, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, इतवारी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोल्हापुर, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी, कुर्ला, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड, मलकापुर, मनमाड, मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज, मुदखेड़, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा,

		मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर, नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़, नासिक रोड, उस्मानाबाद, पाचोरा, पालघर, पंढरपुर, पनवेल, परभणी, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव, पुणे जं., पूर्णा, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्यविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। महाराष्ट्र राज्य चार जोनों अर्थात मध्य रेल, दक्षिण मध्य रेल दक्षिण पूर्व मध्य रेल और पश्चिम रेल के अंतर्गत आता है। इन जोनों के लिए योजना शीर्ष-53 के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 3,854 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आबंटन किया गया है और 2024-25 (फरवरी 2025 तक) के दौरान 3,235 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए अग्निशमन, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन

को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

*****